52/GA/CC/M-2026-37

Booklet Series

Candidate's Roll Number

A

Serial No. 1016609

Question Booklet

MAITHILI LANGUAGE AND LITERATURE

Time Allowed : 2 Hours

Maximum Marks : 100

Read the following instructions carefully before you begin to answer the questions.

IMPORTANT INSTRUCTIONS

1. This Question Booklet contains 100 questions in all.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Attempt **all** questions.
4. An Answer Sheet has been supplied inside the Question Booklet to mark the answers. **You must write your Roll Number and encode it and write other particulars in the space provided in the Answer Sheet, failing which your Answer Sheet will not be evaluated.**
5. **Immediately after commencement of the examination, you should check up your Question Booklet and attached Answer Sheet and ensure that the Question Booklet Series is printed on the top right-hand corner of the Question Booklet and the series encoded in Answer Sheet are same. Also please check that the Question Booklet contains 16 printed pages including two pages (Page Nos. 14 and 15) for Rough Work and no page or question is missing or unprinted or torn or repeated or Question Booklet and Answer Sheet have different series. If you find any defect in this Question Booklet and attached Answer Sheet, get it replaced immediately by a complete Question Booklet with OMR sheet of the same series.**
6. You must write your Roll Number in the space provided on the top of this page. Do not write anything else on the Question Booklet.
7. Questions and their responses are printed in Maithili version in this Question Booklet. Each question comprises of **four** responses - (A), (B), (C) and (D). You are to select ONLY ONE correct response and mark it in your Answer Sheet. In case you feel that there are more than one correct response, mark the response which you consider the best. In any case choose ONLY ONE response for each question.
8. In the Answer Sheet, there are **four** circles - Ⓐ, Ⓑ, Ⓒ and Ⓓ against each question. To answer the questions, you are to mark with **Black/Blue ink ballpoint pen ONLY ONE circle** of your choice for each question. Select only one response for each question and mark it in your Answer Sheet. If you mark more than one circle for one question, the answer will be treated as wrong. **Use Black/Blue ink ballpoint pen only to mark the answer in the Answer Sheet. Any erasure or change is not allowed.**
9. You should not remove or tear off any sheet from the Question Booklet. You are not allowed to take this Question Booklet and the Answer Sheet out of the Examination Hall during the examination. **After the examination has concluded, you must hand over your Answer Sheet to the Invigilator.** Thereafter, you are permitted to take away the Question Booklet with you.
10. Failure to comply with any of the above instructions will render you liable to such action or penalty as the Commission may decide at their discretion.
11. Candidates must assure before leaving the Examination Hall that their Answer Sheets will be kept in Self Adhesive LDPE Bag and completely packed/sealed in their presence.

www.bpscpathshala.com

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर छपा है।

1. डॉ. मायानन्द मिश्र मैथिली साहित्यक इतिहासक आदिकाल मानैत छथि

(A) 1300 ई. सँ 1600 ई. धरि

(B) 1325 ई. सँ पूर्वक काल

(C) 800 ई. सँ 1300 ई. धरि

(D) 1000 ई. सँ 1300 ई. धरि

2. उच्चरित ध्वनि–संकेतक सहायतासँ भाव या विचारक पूर्ण अभिव्यक्ति भाषा थिक।

– ई भाषाक परिभाषा देल गेल अछि

(A) डॉ. बाबूराम सक्सेना

(B) प्रो. देवेन्द्र नाथ शर्मा

(C) डॉ. दिनेश कुमार झा

(D) डॉ. मोलदेव शास्त्री

3. विद्यापति मैथिली साहित्यक प्राणवायु थिकाह। हिनके प्रतिभाक चेतनासँ स्पन्दित भए मैथिली काव्यधारा अनवरत प्रवाहित होइत रहल अछि ओ मैथिली साहित्यक मध्यकालीन काव्यधारा हिनके प्रभावक एकान्त उपजा थिक।

– इतिहासकारक कथन थिक

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र

(B) डॉ. दिनेश कुमार झा

(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(D) डॉ. मायानन्द मिश्र

4. सभ भाषाक प्रकृति ओकर व्याकरण, भाव–व्यंजनक प्रणाली, मुहावरा ओ लोकाक्ति, क्रिया प्रयोग, तदभव शब्दक रूप ओ बनाबट आदिमे समाहित रहैछ।

– भाषाक संदर्भ मे लिखने छथि

(A) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र

(B) डॉ. श्याम सुन्दर दास

(C) डॉ. इन्द्रकान्त झा

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

5. कविताक अतिरिक्त चन्दा झा वैज्ञानिक अध्ययन–अनुशीलन, शोध आदि दिशामे पथ प्रदर्शकक कार्य कएलक। कविताक क्षेत्रमे हिनक जे योगदान रहल अछि से मैथिली साहित्यक इतिहासमे स्वर्णाक्षर में अंकित रहत।

– आधुनिक काव्यधाराक प्रसंग लिखने छथि

(A) डॉ. वासुकी नाथ झा

(B) प्रो. आनन्द मिश्र

(C) डॉ. जयधारी सिंह

(D) डॉ. अमरेश पाठक

6. भूगोलक आधार पर संसारक भाषाकेँ कतेक खण्डमे विभक्त कएल गेल अछि?

(A) चारि भागमे

(B) आठ भागमे

(C) पाँच भागमे

(D) सात भागमे

7. यथाथोउन्मुखी प्रवृत्तिक विकासक पांछाँ, प्रेरक भेल

(i) गाँधीजीक स्वतंत्रता आन्दोलन एवं

(ii) अपन मातृभाषा साहित्यक गौरव–सम्पादन करबाक जागरण ..... मैथिली काव्य–साहित्यक बहुविध उन्नतिक आयास होमए लागल।

– इतिहासकार कहने छथि

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. बालगोविन्द झा 'व्यथित'

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

8. मैथिली उद्भवक युग मानल गाइत अछि

(A) 1200 ई. सँ 1600 ई. धरि

(B) 1600 ई. सँ 1800 ई. धरि

(C) 800 सँ 1200 ई. धरि

(D) 1580 सँ 1640 ई. धरि

www.bpscpathshala.com

9. डॉ. मायानन्द मिश्र आधुनिक मैथिली काव्यकेँ प्रवृत्तिक आधार पर कतेक वर्गमे विभाजित कएने छथि?

(A) दुई वर्गमे

(B) चारि वर्गमे

(C) पाँच वर्गमे

(D) सात वर्गमे

10. मैथिली कोन अपभ्रंशसँ विकसित भेल अछि?

(A) मागधी अपभ्रंश

(B) अर्द्धमागधी अपभ्रंश

(C) महाराष्ट्री अपभ्रंश

(D) शौरसेनी अपभ्रंश

11. अतएव नवीन युगक सूत्रपात होइत अछि कवीश्वरक रचनासँ। कवीश्वर युगसन्धिक प्रतिनिधित्व करैत छथि। विषय, भाव, भाषा ओ शिल्प सब दृष्टिएँ कवीश्वरक रचनामे तत्कालीन समाजक स्वाभाविक वर्णन भेल अछि।

–ई कथन थिक

(A) डॉ. वासुकी नाथ झा

(B) डॉ. अमरेश पाठक

(C) डॉ. दिनेश कुमार झा

(D) डॉ. रमण झा

12. मैथिली एवं मगहीमे सादृश्य अधिक अछि पृथकता कम। पृथकताक उदाहरण भेटैछ–

'वचन' क प्रयोग।

– ई मन्तव्य थिक

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. इन्द्रकान्त झा

(C) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र

(D) डॉ. देवेन्द्र झा

13. विधाक क्षेत्रमे यात्रीजी प्रतीक, मुक्त छन्द व्यंग्योक्ति आदि द्वारा नवीन मोड़ आनल तथा मधुपजी नवलय, कथात्मकता आदिक प्रयोग कएल, तंत्रनाथ झा सॉनेट सँ अपन रचनाकेँ सजओलैन्हि।

– वर्त्तमान मैथिली काव्यधाराक सन्दर्भमे लिखने छथि

(A) प्रो. आनन्द मिश्र

(B) डॉ. लेखनाथ मिश्र

(C) डॉ. दिनेश कुमार झा

(D) डॉ. वीणा कर्ण

14. मैथिलीक नवीन युग मनबोधक पश्चात् (1780 ई.) सँ मानल जाइछ।

– ई कहने छथि

(A) श्रीकृष्ण मिश्र

(B) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र

(C) डॉ. महेन्द्र झा

(D) डॉ. लक्ष्मण झा

15. सामाजिक रूढ़ि तथा शिक्षा, विशेषतः तारीक शिक्षाक प्रति सामाजिक उदासीनता पर हास्य–व्यंग्य शैलीमे जाहि प्रकारेँ प्रो. हरिमोहन बाबू चोट कएने छथि से मैथिलीये साहित्यमे नहि अपितु अन्यो भारतीय कथा साहिमे विरल अछि।

– इतिहासकारक कथन थिक

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. मायानन्द मिश्र

(D) डॉ. बालगोविन्द झा 'व्यथित'

16. आलोचकक तीनटा गुण सर्वमान्य अछि सहृदयता, विस्तृत ज्ञान ओ निष्पक्षता। एहि तीनू गुणक दृष्टिएँ प्रो. रमानाथ झाक स्थान आलोचकक कोटिमे अग्रगण्य अछि।

– ई कथन थिक

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(B) डॉ. जयकान्त मिश्र

(C) डॉ. भीमनाथ झा

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

www.bpsspathshala.com

17. मैक्समूलर प्रोफेसर छलाह

(A) मैथिली

(B) संस्कृत

(C) अंग्रेजी

(D) हिन्दी

18. 'युगपुरूष' उपन्यास थिक

(A) यथार्थवादी

(B) आदर्शवादी

(C) साम्यवादी

(D) संस्कारवादी

19. भारोपीय परिवारक भाषाकेँ बाटल गेल अछि–

(A) तीन वर्गमे

(B) दू वर्गमे

(C) चारि वर्गमे

(D) पाँच वर्गमे

20. 'लक्ष्मण रेखा खंडित' नाटकक नाटककार छथि–

(A) मंत्रेश्वर झा

(B) गोविन्द झा

(C) महेन्द्र मलंगिया

(D) अरविन्द कुमार अक्कू

21. पहिल नाम लेब आचार्य रमानाथ झाकाओ मैथिली आलोचनाक आधार स्तम्भ छथि। आलोचनाक भाषा केहन होयबाक, तकर, हमरा जनैत, ओ आदर्श छथि।

–ई पाँति लिखने छथि

(A) डॉ. भीमनाथ झा

(B) डॉ. देवेन्द्र झा

(C) डॉ. रमण झा

(D) डॉ. वासुकी नाथ झा

22. वस्तुतः किसुनजी सृजनात्मक ओ रचनात्मक प्रतिभाक उर्जावान रचनाकार छलाह। समकालीन मैथिलीक नवीन काव्यान्दोलनक क्रममे किसुन–राजकमल–मायानन्दक जाहि त्रिमूर्तिक चर्च कयल जाइछ ताहिमे किसुन जी अन्यतम छलाह।

– ई गद्यांश इतिहासकार लिखने छथि

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र

(B) डॉ. मायानन्द मिश्र

(C) डॉ. बालगोविन्द झा 'व्यथित'

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

23. मानक मैथिली बाजल जाइत अछि। एकर क्षेत्र केन्द्रीय ओ उत्तरीय पुरना दरभंगा जिला थिक।

सुपौल अनुमंडलमे सेहो परिमार्जित मानक मैथिली बाजल जाइछ।

– ई विद्वान द्वारा कहल गेल अछि:–

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. राजकिशोर सिंह

(C) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र

(D) डॉ. गोविन्द झा

24. 'मिथिला' साप्राहिक सम्पादकीयमे सबसँ विलक्षण ओ मार्मिक निबंध लिखबाक हेतु डॉ. लक्ष्मण झा अत्यन्त प्रसिद्ध छथि।

–ई पाँति इतिहासकार लिखने छथि

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. परमेश्वर झा

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

25. मैथिलीमे ग्रियर्सन नव अनुसंधान ओ नवोन्मेषक पिता मानल जाइत छथि। मैथिली सभ्यता ओ संस्कृति तथा मैथिली भाषाओ साहित्यक प्रति अपन सहृदयताक परिचय अपन कार्य एवं विभिन्न रचनात्मक कृतिमें दए गेल छथि।

–एहि गद्यांशक लेखक छथि

(A) डॉ. धीरेन्द्रनाथ मिश्र

(B) डॉ. भीमनाथ झा

(C) डॉ. रामदेव झा

(D) डॉ. इन्द्रकान्त झा

www.bpscpathshala.com

26. वस्तुतः हिनक 'अर्द्धनारीश्वर' उपन्यास सभ तरहेँ सफल भेल अछि। एहि मध्य जीवनक बहुविध स्वरूपक अंकन भेल अछि। घटना ओ चरित्रक विविधता तथा भारतीय संस्कृतिक महत्वाकंन एहि उपन्यासक वैशिष्ट्य थिक।

–इतिहासकारक कथन थिक

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र
(B) डॉ. दिनेश कुमार झा
(C) डॉ. बालगोविन्द झा
(D) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

27. मैथिली नाटकक शिल्प ओ नाटकीयताकेँ आँगा बढ़एबामे प्रो. ईशनाथ झाक नाटक 'चीनीक लडडू' महत्वपूर्ण कहल जा सकैत अछि। एहिमे ओ नट–नटी ओ सूत्र धारक आरम्भिक प्रस्तावना दृश्यकेँ त्यागि देते छथि।

–ई पाँति इतिहासकार द्वारा लिखल गेल अछि–

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(B) डॉ. दिनेश कुमार झा
(C) डॉ. जयकान्त मिश्र
(D) डॉ. वासुकी नाथ झा

28. मिथला नाटक, सुन्दर संयोग नाटकक अपेक्षें कम परिनिष्ठित अछि किन्तु एकर लोकप्रियता अपेक्षाकृत अधिक भेल जकर कारण भेल मंच।

– ई पाँति कोन इतिहासकार द्वारा लिखल गेल अछि?

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(B) डॉ. मायानन्द मिश्र
(C) डॉ. दिनेश कुमार झा
(D) डॉ. जयकान्त मिश्र

29. मैथिली निबंधक विकास पत्रकारिताक आरम्भ भेलासँ भेल तथा मिथिला, मैथिली ओ मैथिलक नवजागरण सबसँ प्रमुख वाहन भेल मैथिली निबंध, जे आरम्भमे फुटकर लेखक अतिरिक्त पत्र–पत्रिमाक सम्पादकीय तथा भाषणक रूपमे रचित मेल।

–ई पाँति लिखने छथि–

(A) म. म. मुरलीधर झा
(B) डॉ. मायानन्द मिश्र
(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(D) प्रो. सुरेन्द्र झा 'सुमन'

30. गंगाक दक्षिणक मैथिली अपनासँ पश्चिमक भाषा मगहीसँ न्यूनाधिक मात्रामे प्रभावित अछि। किछु मात्रामे एहि पर बंगलाक प्रभाव सेहो भेटैछ। फलतः स्पष्टतः नव बोली उद्भूत भऽ गेल अछि, जकरा स्थानीय लोक छिका छिकी बोली कहैत अछि।

–एहि छिका छिकी बोलीक संदर्भ मे कथन अछि

(A) डॉ. ग्रियर्सन
(B) सर विलियम जोन्स
(C) जॉन बीम्स
(D) पाणिनि

31. कुलानन्द मिश्र साहित्य क्षेत्रमे प्रवेश करिते, प्रखर आलोचक–रूपमे उभरऽ लगलाह। संगहि तीख–चोख आ बेलागि, मुदा मर्मस्पर्शी कथ्यक कारणेँ नव कविक पाँतिमे सेहो ..... ।

– ई कथ्य थिकनि

(A) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र
(B) डॉ. रमानन्द झा 'रमण'
(C) डॉ. भीम नाथ झा
(D) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

32. 'मधुश्रावणी' प्रकाशित भेल अछि

(A) 1960 ई. मे
(B) 1956 ई. मे
(C) 1958 ई. मे
(D) 1950 ई. मे

33. साधारण तया जाहिरूपेँ शौरसेनी प्राकृत ओ मागधी प्राकृत फराक अछि, ओही तरहेँ अथवा ताहसँ अधिक क्रमशः दुनूसँ निकलल हिन्दी एवं मैथिली सेहो पूर्ण रूपेँ फराक अछि।

– ई कथन थिक

(A) डॉ. इन्द्रकान्त झा
(B) डॉ. कामता प्रसाद
(C) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र
(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

www.bpscpathshala.com

34. 'भोरूकवा' उपन्यासक लेखक छथि

(A) धीरेश्वर झा 'धीरेन्द्र'

(B) ललित

(C) रमानन्द रेणु

(D) रूपकान्त ठाकुर

35. सातम दशकक मध्यमे अबैत–अबैत मैथिली नाटकक प्रणयन ओ मंचनमे नव गतिशीलताक लक्षण प्रकट होमए लागल मुख्यतः कलकत्ता ओ पटना मे। ..... पटनामे सर्वप्रथम चेतना परिषद वार्षिकोत्सवमे अभिनीत करबाक निमित्त नवीन प्रकारक नाटकक रचना करबाओल जाए लागल आओर सर्वप्रथम सुधांशु शेखर चौधरीक 'भफाइत चाहक जिन्दगी' प्रकाशित भेल।

– ई गद्यांश इतिहासकार लिखने छथि

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(C) डॉ. दिनेश कुमार झा

(D) डॉ. बाल गोविन्द झा

36. ग्रियर्सन मैथिलीक उपभाषाकेँ विभाजन कएने छथि।

(A) चारि वर्गमे

(B) पाँच वर्गमे

(C) छओ वर्गमे

(D) तीन वर्गमे

37. मैथिली निबंध सर्वाधिक मनोरंजक भेल हास्यपूर्ण निबंध। एही दृष्टिएँ सर्वाधिक महत्वक कार्य कएल, प्रो. हरिमोहन झा आओर हिनक 'खट्टर–ककाक तरंग' वास्तविक अर्थमे निबंध थिक जे वार्त्ता–शैलीमे विशुद्ध मनोरंजनकेँ ध्यानमे राखि लिखल गेलैक अछि।

–ई पाँति लिखनिहार इतिहासकार छथि

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र

(B) डॉ. दिनेशकुमार झा

(C) डॉ. बाल गोविन्द झा

(D) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

38. भारोपीय परिवारक केन्तुम वर्गमे कतेक शाख अछि?

(A) छओ शाखा

(B) सात शाखा

(C) पाँच शाखा

(D) चारि शाखा

39. हिनक रचनाक प्रमुख विशेषता थिक ठेठ मैथिलीक चमत्कारपूर्ण ठाठ। विषय हिनकहु अछि देशदशाविषयक, किन्तु सरल स्वच्छ ओ स्पष्ट भाषा एवं प्रवाहपूर्ण छन्दविन्यासक दृष्टिएँ हिनक रचना अद्वितीय अछि।

– कोन कविक रचनाक विशेषता थिक?

(A) विधापति

(B) कविवर सीताराम झा

(C) भोला लाल दास

(D) गोविन्ददास

40. हिनक नाटक सभक कथावस्तुक रोचक निर्माण, संयोगाश्रित घटना विन्यासक चमत्कार तथा सफल चरित्रांकन एहन विशेषता थिक जे ओहि युगक अन्य नाटककारमे दुर्लभ अछि।

– ई गद्यांश किनका संदर्भमे कहल गेल अछि।

(A) मुंशी रघुनन्दन दास

(B) जीवन झा

(C) ईशनाथ झा

(D) महेन्द्र मलंगिया

41. एकटा श्रेष्ठ आलोचक लेल ओकर प्राथमिक गुण थिक सहृदयता ओ संवेदनशीलता। आलोचना कोनो कृतिक छिद्रान्वेषण नहि अपितु सहानुभूतिपूर्वक ओकर गुण–दोषक विवेचन तथा उचित मूल्यांकनक नाम थिक।

–आलोचनाक संदर्भमे इतिहासकार लिखने छथि

(A) डॉ. मायानन्द मिश्र

(B) डॉ. दुर्गानाथ झा श्रीश

(C) डॉ. दिनेश कुमार झा

(D) डॉ. बाल गोविन्द झा 'व्यथित'

www.bpscpathshala.com

42. मैथिली एक स्वतंत्र आ सशक्त भाषा थिक। एहि भाषाक चारूकात चारि गोट भाषा अछि। एकर पूर्वमे बंगला भाषा, पश्चिममे भोजपुरी भाषा उत्तरमे नेपाली भाषा आ दक्षिणमे मगही भाषा अछि।

– ई कथन थिक

(A) डॉ. धीरेन्द्र नाथ मिश्र

(B) डॉ. दिनेश कुमार झा

(C) डॉ. इन्द्रकान्त झा

(D) मोहन भारद्वाज

43. नवीन काव्या–दोलनकेँ प्रेरित प्रोत्साहित करबाक लेल नवीन भावबोधक कविता लिखनिहार विभिन्न कविक काव्य संकलन मैथिली नव कविता नामे सेहो सम्पादित कएल जे वस्तुत: नवीन काव्यान्दोलन 'गीता' थिक।

– ई इतिहासकारक कथन थिक

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(B) डॉ. दिनेश कुमार झा

(C) डॉ. जयकान्त मिश्र

(D) डॉ. मायानन्द मिश्र

44. यास्क मुनि वैदिक युगक एक प्रसिद्ध भाषाशास्त्री छलाह। ओ निघण्टुक 660 शब्दक व्याख्या अपन निरूक्त मे कएलनि। प्रत्येक शब्द वेद सभसँ सद्धृण दए कँ व्युत्पत्ति तथा अर्थ पर विचार कएलनि।

– ई पाँति लिखने छथि

(A) डॉ. इन्द्रकान्त झा

(B) डॉ. भीमनाथ झा

(C) डॉ. रमानन्द झा 'रमण'

(D) मोहन भारद्वाज

45. नीरजा रेणुकेँ साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल छनि–

(A) महाकाव्य पर

(B) कथा संग्रह पर

(C) गीत संग्रह पर

(D) दर्शन पर

46. प्रो. हरिमोहन झाक उपन्यास जीवनक व्यापक ओ बहुविध चित्रणक दृष्टिएँ महत्वपूर्ण नहि अछि आओर ने नायक–नायिकाक विकासात्मक चरित्र चित्रणक दृष्टिएँ। एकर महत्व अछि प्रमुख ओ गौण दुहू पात्रके विशिष्ट चरित्रांकनक दृष्टिए।

– ई कोन इतिहासकारक कथन थिक?

(A) डॉ. बाल गोविन्द झा 'व्यथित'

(B) डॉ. मायानन्द मिश्र

(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

47. 'यात्री काव्य विवेचनक' रचयिता छथि:

(A) डॉ. बासुकी नाथ झा

(B) डॉ. शैलेन्द्र मोहन झा

(C) मनमोहन झा

(D) डॉ. यशोदा नाथ झा

48. 'जीवन यात्रा' कोन विधाक रचना अछि?

(A) आत्मकथा

(B) महाकाव्य

(C) संस्मरण

(D) निबंध

49. डॉ. कांचीनाथ झा 'किरण' बहुमुखी व्यक्तित्व रखैत छथि। आन्दोलन ओ साहित्य–सर्जन–भाषा–सेवाक जे ई दू गोट माध्य अछि, किरण दुनू क्षेत्रमे अग्रिम स्थानक अधिकारी छथि।

– ई विद्वान क कथन थिक:

(A) सुधांशु शेखर चौधरी

(B) डॉ. भीम नाथ झा

(C) प्रबोध नारायण सिंह

(D) रामदेव झा

www.bpscpathshala.com

50. 'ओकरा आंगनक बारहमासा' नाटक कतेक दृश्यमे अछि?
(A) नौ
(B) दस
(C) बारह
(D) एगारह

51. 'विद्यापति गीतावली' प्रकाशित अछि
(A) मैथिली अकादमीसँ
(B) साहित्य अकादमीसँ
(C) चेतना समितिसँ
(D) राजकमल प्रकाशनसँ

52. गोविन्ददास संगीतात्मक तत्वक दृष्टिसँ विलक्षण छथि। लालित्य ओ श्रुतिमाधुर्य हिनक काव्यक अनन्य धर्म थिक।
– ई कथन थिक:
(A) डॉ. जयकान्त मिश्र
(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(C) डॉ. दिनेश कुमार झा
(D) डॉ. मायानन्द मिश्र

53. महाकवि मनबोध अपन क्रान्तिकारी भावबोध ओ शिल्प रूपक संग मैथिली साहित्यक इतिहासमे पदार्पण कएल छथि। मनबोध मध्यकालीन मैथिली काव्यक एकटा क्रान्तिकारी कवि छथि।
– ई पाँति कोन इतिहासकारक थिक?
(A) डॉ. दिनेश कुमार झा
(B) डॉ. जयकान्त मिश्र
(C) डॉ. मायानन्द मिश्र
(D) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

54. क्रमिक वृद्धि-विकास
सत्य थिक संघर्षरत जनताक ई इतिहास सत्य धरती, सत्य थिक आकाश चरम सत्य मनुक्ख अपनहि थिक
– एहि पाँतिक रचनाकार छथि:
(A) 'बहेड़' जी
(B) 'भुवन' जी
(C) 'सुमन' जी
(D) 'यात्री' जी

55. 'चन्द्र रचनावली' प्रकाशित अछि:
(A) मैथिली अकादमीसँ
(B) राजकमल प्रकाशनसँ
(C) वाणी प्रकाशनसँ
(D) साहित्य अकादमीसँ

56. आरसी बाबू कोमल भावक भावुक कवि छथि जनिक कविताक अन्यतम विशेषता थिक प्रसाद गुण। आ ई विशेषता सूर्यमुखीमे पर्याप्त मात्रामे अछि।
– इतिहासकार कहने छथि
(A) डॉ. दिनेश कुमार झा
(B) डॉ. मायानन्द मिश्र
(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(D) डॉ. बालगोविन्द झा 'व्यथित'

57. 'साहित्य रत्नाकर' उपाधिसँ विभूषित छथि
(A) प्रफुल्ल कुमार सिंह
(B) योगानन्द झा
(C) मुंशी रघुनन्दन दास
(D) कविवर यदुनाथ झा 'यदुवर'

58. सामाजिक रूढ़ि तथा शिक्षा, विशेषत: नारी शिक्षाक प्रति सामाजिक उदासीनता पर अपन हास्य–व्यंग्य शैलीमे जाहि प्रकारेँ प्रो. हरिमोहन बाबू चोट कयने छथि से मैथिलीये साहित्यमे नहि अपितु अन्यो भारतीय साहित्यमे विरल अछि।
– ई पाँति कोन इतिहासकार द्वारा लिखल गेल अछि?
(A) डॉ. जयकान्त मिश्र
(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(C) डॉ. दिनेश कुमार झा
(D) डॉ. मायानन्द मिश्र

59. अबोध नेनाकेँ माय वा धाय गोत गाबि गाबि सुनबै अछि। विश्वमे जतए देखब भावाभिव्यक्ति सबसँ पूर्व गीत द्वारा भेल अछि, सर्वप्रथम सर्वत्र संगीत मूलके काव्यक सृष्टि भेल अछि।
– एहि गद्यांशक लेखक छथि :
(A) रमानाथ झा
(B) भीमनाथ झा
(C) वासुकीनाथ झा
(D) लोकनाथ मिश्र

www.bpscpathshala.com

60. मैथिलीमे प्रबन्धकाव्य अछि :

(A) चारि गोट

(B) तीन गोट

(C) पाँच गोट

(D) सात गोट

61. ससन–परस खसु अम्बर रे देखल धनि देह
नव जलधर तर तमकएरे जनि बीजुरि रेह
– रेखाङ्कित पाँति मे अलंकार अछि

(A) उपमा अलंकार

(B) रूपक अलंकार

(C) वस्तुत्प्रेक्षा अलंकार

(D) अनुप्रास अलंकार

62. 'अन्नपूर्णा' कोन कथाक पात्र थिकीह?

(A) घड़ी

(B) साँझक गाछ

(C) दमयन्ती–हरण

(D) आकाश गंगा

63. ब्रहम–कमण्डलु–वास–सुवासिनि सागर–नागर–गृह–बाले
पातक–महिष–विदारण–कारण घृत करवाल वीचिमाले
– एहि पाँतिमे वर्णन भेल अछि :

(A) गंगा

(B) कावेरी

(C) यमुना

(D) गंडक

64. गुरूजन–गंजन गृहपति–तर जन कुलवति कुवचन भास
– एहि पाँतिमे अलंकार अछि :

(A) अतिशयोक्ति

(B) छेकानुप्रास

(C) उपमा अलंकार

(D) रूपक अलंकार

65. मनबोध द्वारा रचित 'कृष्णजन्म' क प्रकाशिकी लिखने छथि–

(A) दिनेश कुमार झा

(B) चेतकर झा

(C) देवकान्त झा

(D) इन्द्रकान्त झा

66. 'मिथिला भाषा रामायण' थिक

(A) खण्डकाव्य

(B) महाकाव्य

(C) चम्पूकाव्य

(D) प्रबंध काव्य

67. एक दिन बेचारे खिन्न भ 'क' बाजल रहथि–बलचनमा लिखि रहलहुँ अछि आईकालि ..... पेट तँ हिंदिये सँ भरैत अछि, तेँ अपन कोंढ–करेज खखोड़ि जे किछु होइए से ओकरे पीढ़ी पर चढ़ा रहल छी।
– यात्री जी उक्त पाँति किनका कहने छलाह :

(A) जयकान्त मिश्र

(B) शोभाकान्त

(C) आनन्द मिश्र

(D) जयदेव मिश्र

68. जुआनी, नावमे पतवारि ने, ने पाल तानै छै!
युवा जे क्रान्तिजीवी रक्त, की अवरोध मानै छै।
– ई पाँति को शीर्षक कविताक थिक–

(A) युवा–शक्ति शीर्षक कविता

(B) शस्य–गान शीर्षक कविता

(C) हमर देश जागल शीर्षक कविता

(D) ललकारा शीर्षक कविता

69. 'सुदर्शन' नाटकक नाटककार छथि :

(A) जीवन झा

(B) रघुनन्दन दास

(C) भाग्य नारायण झा

(D) गोविन्द झा

www.bpscpathshala.com

70. मैथिली साहित्यकेँ लोकप्रिय बनयबामे प्रो. हरिमोहन झाक कन्यादानक बड़ महत्वपूर्ण स्थान अछि। एहिसँ मैथिली भाषा–भाषी शिक्षित जन समुदायक जतबा मनोरंजन भेल, ततवा मैथिली साहित्यक कोनो अन्य कृतिसँ नहि।

– ई पाँति कोन इतिहासकारक कथन थिक?

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा

(B) डॉ. जयकान्त मिश्र

(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

(D) डॉ. मायानंन्द मिश्र

71. बाजाक प्रसंग चन्द्रह प्रभेद नगर वर्णनामे अछि; मुरजक बारह प्रकार वर्णित अछि, वीणाक सताइस भेद गनाओल अछि; प्रयाराक – वर्णनमे चौदह प्रकारक बाजाक नाम अछि।

–एहि पाँतिमे बाजाक वर्णन कोन विद्वान कएने छथि :

(A) भीमनाथ झा

(B) धीरेन्द्रनाथ मिश्र

(C) रमानाथ झा

(D) रमण झा

72. 'पुरूष परीक्षा' क गद्य–पद्यमय अनुवाद कएने छथि :

(A) कवीश्वर चन्दा झा

(B) डॉ. अमरनाथ झा

(C) बलदेव मिश्र

(D) रमानाथ झा

73. ..... मायक हृदयसँ झरैत स्नेह–वात्सल्यक निर्झरक लेल। आ' माय? आ, मदालसा? मदालसा एहिना बेटीकेँ ओछान पर सूतलि छोड़ि अन्हार रातिमे, साओन–भादोक बरखामे अभिसारिका वनए चलि जाइ अछि।

– ई पाँति कोन कथाक अछि?

(A) साँझक गाछ

(B) आकाश गंगा

(C) घड़ी

(D) दमयन्ती–हरण

74. 'विद्यापति गीतावली' मे कतेक विद्यापति गीत क स्रोत ग्रंथक परिचय अछि?

(A) 16

(B) 18

(C) 17

(D) 19

75. चौदिस चकित नयन घन हेरसि झाँपसि झाँपल अंग।

– एहि पाँतिमे अलंकार अछि :

(A) रूपक

(B) परिकर

(C) श्लेष

(D) छेकानुप्रास

76. 'कृष्णजन्म' क प्रथम संस्करण प्रकाशित भेल छल :

(A) 1884 ई. मे

(B) 1800 ई. मे

(C) 1788 ई. मे

(D) 1195 ई. मे

77. चन्दा झाकेँ आधुनिक युगक प्रबर्त्तक मानल जाइत छथि। ई बहुमुखी प्रतिभाक विलक्षण व्यक्तित्वक लोक छलाह। मैथिलीमे रामायणक रचना कऽ साहित्य जगत मे क्रान्ति आनि देलनि।

– ई पाँति लिखने छथि;

(A) डॉ. अमरनाथ झा

(B) डॉ. भीमनाथ झा

(C) डॉ. रमण झा

(D) डॉ. देवेन्द्र झा

www.bpscpathshala.com

78. दलित वर्गक क्लेश एवं मर्मान्तक पीड़ाक जाहि योग्यताक संग यात्री जी निवेदन कएलनि अछि ताहि योग्यतासँ प्राय: आन केओ नहि कऽ सकल छथि।

– यात्रीजीक काव्यक संदर्भ मे लिखने छथि :

(A) डॉ. चन्द्रधर झा
(B) डॉ. सुधाकर झा
(C) प्रो. नवीनचन्द्र मिश्र
(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

79. हिनक ओहन रचना सर्वाधिक महत्वक अछि जाहि मध्य हिनक आत्मा अनुगुंजित होइत अछि। हिनक आत्मा थिक सहजात गीतकारक, जन्मजात प्रकृति–प्रेमीक सत्–शिव–सुन्दरक प्रति असीम सहानुभूतिसँ भरल समाज–सापेक्ष मानवक।

– आरसी प्रसाद सिंहक काव्यक संदभे लिखने छथि :

(A) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'
(B) दीनानाथ पाठक 'बन्धु'
(C) सुरेन्द्र झा सुमन
(D) प्रो. रमानाथ झा

80. मिथिला नाटकमे छोट–छोट भाषण सन पैघ–पैघ संवाद नाटकीय स्वाभाविकताक बाधक भए रोल अछि। तथापि, मुंशीजी एहिमे अपन युगबोधक परिचय देल अछि एवं शिल्पक दृष्टिएँ सेहो नवीन प्रयोग कयल अछि।

– इतिहासकार कहने छथि :

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(B) डॉ. जयकान्त मिश्र
(C) डॉ. मायानन्द मिश्र
(D) डॉ. दिनेश कुमार झा

81. अनुकूल वातावरण निर्माण कऽ प्रभावोत्पादक प्रसंगक उद्भावना करब कन्यादानक विशेषता थिक। मनोरंजनक दृश्य उपस्थापनक क्रममे तीक्ष्ण व्यंग्य द्वारा लेखक विचारसँ पाठक केँ प्रभावित करैत छथि।

– कन्यादानक विशेषता कहने छथि :

(A) डॉ. दिनेश कुमार झा
(B) डॉ. अमरेश पाठक
(C) प्रो. रमानाथ झा
(D) डॉ. भीमनाथ झा

82. साहित्य थिक जीवनक प्रतिबिम्ब। जहिना जातीय जीवनक बाह्य विकास इतिहासमे चित्रित रहैत अछि, तहिना ओहि जीवनक आभ्यनारीरा विकासक चित्रण साहित्यमे निहित रहैत अछि।

– ई पाँति विद्वानक कथन थिक :

(A) कुमार गंगानन्द सिंह
(B) प्रो. हरिमोहन झा
(C) प्रो. रमानाथ झा
(D) डॉ. रामदेव झा

83. अहाँ सम पुरूष छी नै? निस्सहाय नारी जाति पर दया करै मे अँहा सभ बड़ गौरवक अनुभव करैत छी, मुदा, हम स्त्री नहि छी, फूल–भैया! हम त' माटिक फूटलि हाँड़ी छी। हमरा पर दया करबाक को प्रयोजन नहि। अहाँ जाउ ....."

– प्रस्तुत पाँति कोन कथाक अंश थिक?

(A) साँझक गाछ
(B) घड़ी
(C) दमयन्ती हरण
(D) ललका पाग

84. कंटक गाड़ि कुसुमसम पदतल मंजिर चीरहि झाँपि गागरि बारि ढारि कए पिच्छर चलि तँह आँगुरि चाँपि

– एहि पाँति नायिकाक वर्णन भेल अछि :

(A) प्रेम–प्रसंगक
(B) नायिकाक सौंदर्यक
(C) वय: संधिक
(D) अभिसार नायिकाक

85. मैथिली साहित्यमे कृष्णजन्मक महत्व एह बात लऽ कैं अछि जे ई सम्पूर्ण पुस्तक एक मात्र भाषा मैथिली मे लिखल गेल अछि। एहिसँ पूर्व जे ग्रन्थ–सभक रचना होइत छल ताहि मे प्राकृत तथा अपभ्रंशक न्यूनाधिक मात्रामे समावेश होइत छल। किन्तु ई पुस्तक आदिसँ अन्त धरि मैथिली भाषामे लिखल गेल अछि।

– कथन थिक –

(A) डॉ. वासुकीनाथ झा
(B) डॉ. भीमनाथ झा
(C) डॉ. रमानन्द झा 'रमण'
(D) डॉ. रामदेव झा

www.bpscpathshala.com

86. एहिमे विशुद्ध राष्ट्रीय भावना सन्निहित अछि। देशमे जे सुधारवादी आन्दोलन चलल, ओकर प्रभाव देशक प्रत्येक क्षेत्र मे पड़लैक। लेखक अपन समाजमें, मिथिला क्षेत्रमे, व्याप्त दुष्ट भावना तथा उत्तम भावनाक संघर्ष एवं अन्तर्विरोधकेँ नाटकीय कथावस्तुक रूपमे उपस्थित करैत समाजोत्थानक संदेश दैत छथि।

– ई गद्यांश नाटकक संदर्भ में कोन विद्वान कहने छथि?

(A) पं. चन्दनाथ मिश्र 'अमर'
(B) डॉ. शैलेन्द्र मोहन झा
(C) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(D) डॉ. रमण झा

87. श्रृंगार रसक प्राचीन परम्पराकेँ छोड़ि वात्सल्य ओ किछु किछु वीर रसक काव्य जनभाषा मे लिखि ओ मैथिली काव्य केँ पुनः जन–साहित्यक रूप देलैन्हि।

– ई कथन थिक :

(A) डॉ. जयधारी सिंह
(B) प्रो. जयदेव मिश्र
(C) डॉ. विश्वेश्वर मिश्र
(D) डॉ. लेखनाथ मिश्र

88. गोविन्ददास मैथिली काव्य साहित्यक इतिहासमे अपन भाव सम्पदा अनुभूति गँरिमा तथा अभिव्यक्ति सामर्थ्यक कारणेँ संस्कृतक जगन्नाथ जकाँ, फारसीक उमर खेय्याम जकाँ तथा विद्यापति जकाँ अमर रहताह।

– ई कथन इतिहासकारक थीक–

(A) मायानन्द मिश्र
(B) डॉ. दिनेश कुमार झा
(C) डॉ. जयकान्त मिश्र
(D) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

89. चन्दा झा पहिल कवि भेलाह जे मैथिली साहित्यक गत्यवरोधकेँ चीन्हल तथा ओहिमे नवीन गति प्रदान कऽ ओकरा देश आ समाजक अनुकूल बनाओल एवं नवीन रवाढ़ीक हेतु एकटा नव पथ प्रशस्त कएल।

– ई कथन कोन विद्वानक थिक?

(A) मनमोहन झा
(B) डॉ. अमरनाथ झा
(C) महेन्द्र मलंगिया
(D) डॉ. रामदेव झा

90. यात्रीजी अपन भावबोध, अभिव्यक्ति प्रणाली तथा भाषा व्यवस्थाक कारणे मैथिली काव्यमे युगान्तर उपस्थित कयल। हिनक काव्यमे सामाजिक यथार्थक वर्गवैषम्य पर कठोर व्यंग्य प्रहार भेल अछि।

– ई इतिहासकारक कथन थिक :

(A) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(B) डॉ. दिनेश कुमार झा
(C) डॉ. मायानन्द मिश्र
(D) डॉ. बालगोविन्द झा 'व्यथित'

91. चन्दा झाक जन्म भेल छनि:

(A) 1830 ई. मे
(B) 1825 ई. मे
(C) 1800 ई. मे
(D) 1785 ई. मे

92. हिनक रचनाक मुख्य गुण थिक सरल, कोमल ओ मधुर शब्द–विन्यास एवं सहानुभूतिपूर्ण संवेदनशील भावाभिव्यंजन। भुवनजीक पश्चात् आत्माभिव्यक्तिक अकृत्रिम रागात्मक दृष्टिएँ हिनक रचना सर्वाधिक मर्मस्पर्शी भेल अछि।

– कविवर आरसी प्रसाद सिंहक संदर्भमे कोन विद्वान ई पाँति लिखने छथि?

(A) डॉ. जयकान्त मिश्र
(B) डॉ. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
(C) डॉ. रामदेव झा
(D) डॉ. नवीनचन्द्र मिश्र

93. मैथिलीक कोन नाटकमे प्राणीत्तर वस्तुकेँ पात्र बनाओल गेल अछि?

(A) सुन्दर संयोग
(B) अंतिम प्रणाम
(C) मिथिला नाटक
(D) राजा शिवसिंह

www.bpscpathshala.com

94. 'द्विरागमनक' प्रकाशन वर्ष अछि:

(A) 1910 ई.

(B) 1933 ई.

(C) 1930 ई

(D) 1943 ई.

95. मुंशी रघुनन्दन दासक जन्म भेलनि:

(A) 1860 ई. मे

(B) 1910 ई. मे

(C) 1891 ई. मे

(D) 1893 ई. मे

96. हमरा लोकनिक वर्त्तमान सांस्कृतिक जीवनक सूत्रपात एही युगमे भेल अछि, हमरा लोकनिक जातीय जीवनक नवीन परम्परा एतहिसँ प्रारम्भ होइत अछि; वस्तुत; वर्त्तमान मिथिलाक इतिहास एही युगसँ प्रारम्भ होइत अछि।

– ई कथन थिक :

(A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

(B) रमानाथ झा

(C) हरिमोहन झा

(D) शैलेन्द्र मोहन झा

97. भाइजीक चिकित्सामे भौजीक श्रीसम्पन्न पिता–भ्राता कोनो आर्थिक सहायता नहि कयने छलथिन। भौजी प्रण कयने छलीह–मरि जायब, परंच आब कोनो दिन घुरि क' नैहर नहि जायब।

– ई पाँति कोन कथाक थिक?

(A) ललका पाग

(B) आकाश गंगा

(C) साँझक गाछ

(D) दमयन्ती–हरण

98. 'कृष्णजन्म' क कथा आधारित अछि :

(A) महाभारत पर

(B) गीता पर

(C) गरूड़ पुराण पर

(D) हरिवंश पुराण पर

99. लिखल जाय मिथिला इतिहास–

नहि हो ताहिमे शिथिल प्रयास।

विषय विशेष हमहु लिखि देब–

स्वप्नहु एक टका नहि लेब।

– 'मैथिली हित साधन' पत्रिकाक प्रकाशनक सहयोगक लेल ई पाँति कवीश्वर किनका लिखने छलाह?

(A) पं. चन्द्रदत्त झा

(B) चन्द्रभानु सिंह

(C) अमरनाथ झा

(D) श्रीकान्त ठाकुर

100. राजकमल कमसँ कम कथाक क्षेत्रमे प्रयोगकेँ से मुख्यता नहि देल यद्यपि ओहि प्रयोगकेँ ओ कतहु बिसरलाह नहि ओ तेँ हमरा दृष्टिमे राजकमलक कथा सबसँ विशेष कलापूर्ण भए सकल, सबसँ विशेष स्थायी रहत।

– राजकमलक कथा संदर्भ मे उक्ति थिक :

(A) डॉ. नवीनचन्द्र मिश्रक

(B) प्रो. रमानाथ झाक

(C) डॉ. देवेन्द्र झाक

(D) मोहन भारद्वाजक

www.bpscpathshala.com

52/GA/CC/M-2026-37

पुस्तिका श्रृंखला

A

उम्मीदवार का अनुक्रमांक

प्रश्न–पुस्तिका

मैथिली भाषा और साहित्य

समय : 2 घण्टे

पूर्णांक : 100

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले नीचे लिखे अनुदेशों को ध्यान से पढ़ लें।

महत्त्वपूर्ण अनुदेश

1. इस प्रश्न–पुस्तिका में कुल **100** प्रश्न हैं।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।
4. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको उत्तर पत्रक प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिया गया है। **अपने उत्तर पत्रक के निर्धारित स्थान में अपना अनुक्रमांक लिखें एवं कूटबद्ध करें तथा अन्य विवरण अवश्य लिखें अन्यथा आपका उत्तर पत्रक जाँचा नहीं जायेगा।**
5. **परीक्षा आरम्भ होते ही आप अपनी प्रश्न–पुस्तिका एवं संलग्न उत्तर पत्रक की जाँच कर देख लें कि प्रश्न–पुस्तिका के ऊपर दायीं ओर मुद्रित श्रृंखला एवं उत्तर पत्रक पर मुद्रित श्रृंखला समान है। कृपया यह भी जाँच लें कि प्रश्न–पुस्तिका में रफ़ कार्य हेतु दो पृष्ठों (पृष्ठ सं. 14 और 15) सहित पूरे 16 मुद्रित पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न या पृष्ठ बिना छपा हुआ या फटा हुआ या दोबारा आया हुआ या प्रश्न–पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक में मुद्रित श्रृंखला में अन्तर तो नहीं है। प्रश्न–पुस्तिका एवं संलग्न उत्तर पत्रक में किसी प्रकार की त्रुटि पाने पर तत्काल इसके बदले, इसी श्रृंखला की दूसरी सही प्रश्न–पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. पत्रक ले लें।**
6. इस पृष्ठ के ऊपर निर्धारित स्थान में अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें। प्रश्न–पुस्तिका पर और कुछ न लिखें।
7. इस प्रश्न–पुस्तिका में सभी प्रश्न और उनके उत्तर मैथिली में मुद्रित हैं। प्रत्येक प्रश्न के **चार** उत्तर – (A), (B), (C) और (D) क्रम पर दिये गये हैं। उनमें से आप सबसे सही **केवल एक** उत्तर को चुनें और अपने उत्तर पत्रक पर अंकित करें। यदि आपको ऐसा लगे कि किसी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर सही हैं, तो आप अपने उत्तर पत्रक में उस उत्तर को अंकित करें जो आपको सर्वोत्तम लगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए **केवल एक** ही उत्तर चुनना है।
8. उत्तर पत्रक में प्रत्येक प्रश्न संख्या के सामने **चार** वृत्त इस प्रकार बने हुए हैं – (A), (B), (C) और (D)। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको अपनी पसन्द के **केवल एक वृत्त को काली/नीली स्याही के बॉल–पॉइन्ट पेन** से चिह्नित करना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर को चुनें और उसे अपने उत्तर पत्रक में चिह्नित करें। आप उत्तर पत्रक में यदि एक प्रश्न के लिए एक से अधिक वृत्त में निशान लगाते हैं, तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा। **उत्तर पत्रक में उत्तर को चिह्नित करने के लिए केवल काली/नीली स्याही के बॉल पॉइन्ट पेन का ही प्रयोग करें। किसी भी प्रकार का काट–कूट अथवा परिवर्तन मान्य नहीं है।**
9. प्रश्न–पुस्तिका से कोई पन्ना फाड़ना या अलग करना मना है। प्रश्न–पुस्तिका और उत्तर पत्रक को परीक्षा की अवधि में परीक्षा भवन से बाहर कदापि न ले जायें। **परीक्षा के समापन पर उत्तर पत्रक वीक्षक को अवश्य सौंप दें।** उसके बाद आपको अपनी प्रश्न–पुस्तिका अपने साथ ले जाने की अनुमति है।
10. ऊपर के अनुदेशों में से किसी एक का भी पालन नहीं करने पर आप पर आयोग के विवेकानुसार कार्रवाई की जा सकती है अथवा आपको दण्ड दिया जा सकता है।
11. अभ्यर्थी उत्तर पत्रक को अपनी उपस्थिति में Self Adhesive LDPE Bag में पूरी तरह से पैक/सील करवाने के उपरांत ही परीक्षा कक्ष को छोड़ें।

Note : English version of the instructions is printed on the First Page of this Booklet.

www.ppscpathshala.com